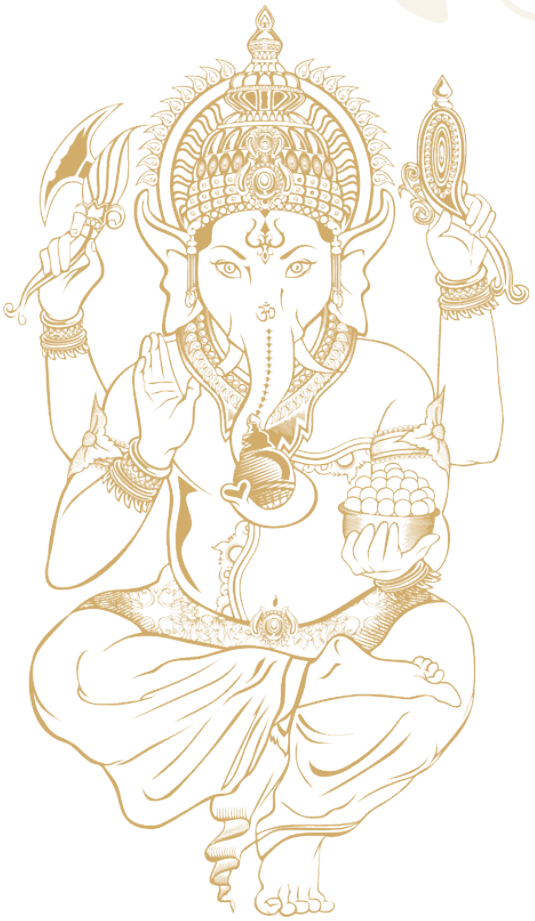

28 Jan 1985

09:20 PM

Ghazipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121171203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/01/1985**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:20:00 घंटे**
इष्ट	36:37:13 घटी
स्थान	**Ghazipur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:36:00 उत्तर
रेखांश	83:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:04:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:24:24 घंटे
वेलान्तर	-00:12:59 घंटे
साम्पातिक काल	05:55:49 घंटे
सूर्योदय	06:41:06 घंटे
सूर्यास्त	17:36:13 घंटे
दिनमान	10:55:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:02:19 मकर
लग्न के अंश	05:24:30 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:24:30	325:46:26	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			मक	15:02:19	01:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	09:46:35	11:49:59	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मीन	02:32:06	00:45:21	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध			मक	00:37:51	01:32:32	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु		अ	मक	04:16:40	00:13:58	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	नीच राशि
शुक्र			मीन	01:55:12	00:58:00	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	उच्च राशि
शनि			वृश्चि	03:16:57	00:03:41	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	00:32:26	00:00:28	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	00:32:26	00:00:28	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	23:07:38	00:02:36	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
नेप			धनु	08:48:59	00:01:55	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो			तुला	11:04:57	00:00:18	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मिथु	05:23:33	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:42

लग्न-चलित

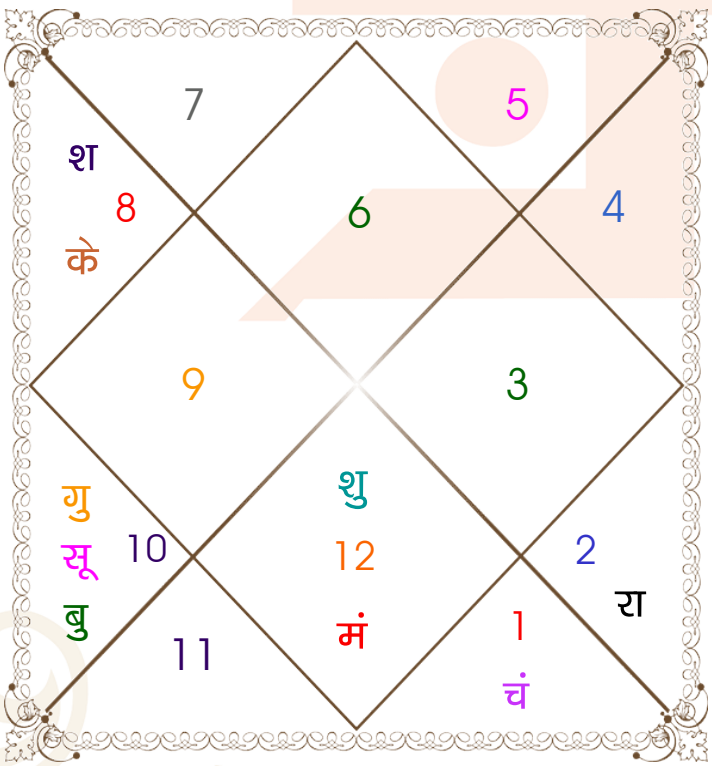

चन्द्र कुंडली

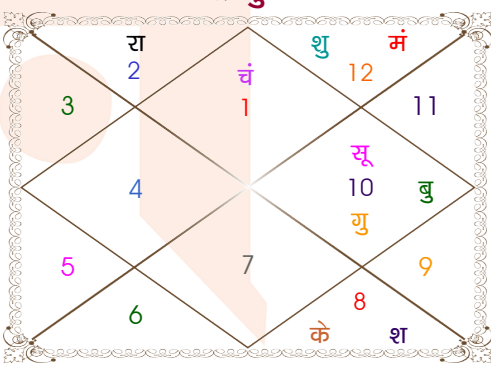

नवमांश कुंडली

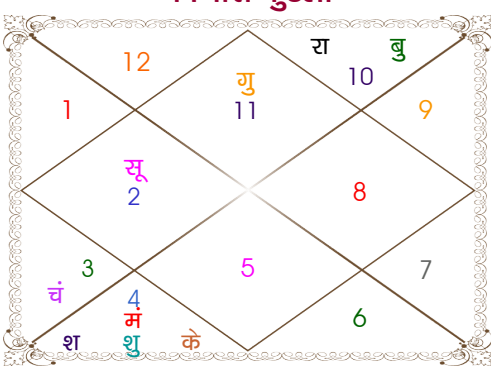

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 10 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/01/1985		11/12/1986		11/12/2006		11/12/2012		11/12/2022	
11/12/1986		11/12/2006		11/12/2012		11/12/2022		11/12/2029	
	00/00/0000	शुक्र	12/04/1990	सूर्य	31/03/2007	चंद्र	11/10/2013	मंगल	10/05/2023
	00/00/0000	सूर्य	12/04/1991	चंद्र	30/09/2007	मंगल	12/05/2014	राहु	27/05/2024
	00/00/0000	चंद्र	11/12/1992	मंगल	04/02/2008	राहु	11/11/2015	गुरु	03/05/2025
	00/00/0000	मंगल	10/02/1994	राहु	29/12/2008	गुरु	12/03/2017	शनि	12/06/2026
	00/00/0000	राहु	10/02/1997	गुरु	17/10/2009	शनि	12/10/2018	बुध	09/06/2027
	00/00/0000	गुरु	12/10/1999	शनि	29/09/2010	बुध	12/03/2020	केतु	05/11/2027
	28/01/1985	शनि	11/12/2002	बुध	06/08/2011	केतु	11/10/2020	शुक्र	04/01/2029
शनि	14/12/1985	बुध	11/10/2005	केतु	12/12/2011	शुक्र	12/06/2022	सूर्य	12/05/2029
बुध	11/12/1986	केतु	11/12/2006	शुक्र	11/12/2012	सूर्य	11/12/2022	चंद्र	11/12/2029

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/12/2029		12/12/2047		12/12/2063		11/12/2082		12/12/2099	
12/12/2047		12/12/2063		11/12/2082		12/12/2099		00/00/0000	
राहु	23/08/2032	गुरु	29/01/2050	शनि	14/12/2066	बुध	09/05/2085	केतु	10/05/2100
गुरु	17/01/2035	शनि	11/08/2052	बुध	24/08/2069	केतु	06/05/2086	शुक्र	10/07/2101
शनि	23/11/2037	बुध	17/11/2054	केतु	02/10/2070	शुक्र	06/03/2089	सूर्य	15/11/2101
बुध	11/06/2040	केतु	24/10/2055	शुक्र	02/12/2073	सूर्य	11/01/2090	चंद्र	16/06/2102
केतु	30/06/2041	शुक्र	24/06/2058	सूर्य	14/11/2074	चंद्र	12/06/2091	मंगल	12/11/2102
शुक्र	30/06/2044	सूर्य	12/04/2059	चंद्र	14/06/2076	मंगल	08/06/2092	राहु	01/12/2103
सूर्य	24/05/2045	चंद्र	11/08/2060	मंगल	24/07/2077	राहु	27/12/2094	गुरु	05/11/2104
चंद्र	23/11/2046	मंगल	18/07/2061	राहु	30/05/2080	गुरु	03/04/2097	शनि	29/01/2105
मंगल	12/12/2047	राहु	12/12/2063	गुरु	11/12/2082	शनि	12/12/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।